आय का चक्रीय प्रवाह (आय का चक्राकार प्रवाह)

CIRCULAR FLOW OF INCOME

सर्वप्रथम विचार : 1758 में फ्रेंकायज क्विजने

(फ्रांसीसी कृषि अर्थशास्त्री)

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र : Sectors of Economy

- उपभोक्ता (परिवार) : Household
- व्यावसायिक फर्म (उत्पादक) : Business firm
- सरकार : Government
- विदेशी क्षेत्र (बाह्य क्षेत्र) : External sector

इनमें पारस्परिक निर्भरता पाई जाती है।

आयलर प्रमेय : Euler's Theorem

कुल उत्पादन का पूरा पूरा बंटवारा उत्पादन के साधनों को ।

उत्पादन का मूल्य = साधनों का पारिश्रमिक

उत्पादन के साधन भूमि, पूंजी, श्रम, साहस आदि वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन करते हैं। उत्पादन में योगदान के बदले उन्हें पारिश्रमिक के रूप में साधन आय प्राप्त होती हैं जिसे वे वस्तुओं एवं सेवाओं पर व्यय करते हैं।

इस प्रकार देश में विभिन्न आर्थिक क्रियाओं द्वारा उत्पन्न आय घूमती रहती हैं जिसे आय चक्राकार प्रवाह कहते है।

मॉडल : अर्थव्यवस्था में परिवारों एवं फर्मों के मध्य आय के चक्रीय प्रवाह को एक मॉडल द्वारा समझा जा सकता है ।

मान्यताएं : Assumptions

- दो क्षेत्र (परिवार एवं व्यावसायिक फर्म)
- फर्मो द्वारा समस्त उत्पादन बेच दिया जाता है।
- आर्थिक क्रियाओं में सरकार का हस्तक्षेप नहीं
- बंद अर्थव्यवस्था

त्रि – क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में आय का चक्रीय प्रवाह

Circular Flow of Income in three Sector Economy

- परिवार अथवा घरेलू क्षेत्र : Household
- व्यवसाय फर्म अथवा उत्पादक : Firms / Producer
- **सरकारी क्षेत्र : Government Sector**

(कर एवं सार्वजनिक व्यय को सम्मिलित)

- कर (Tax) : निकास (Outflow)
- सरकारी व्यय : अंत: प्रवेश (Inflow / Injection)

1.परिवार (घरेलू क्षेत्र) एवं सरकारी क्षेत्र

परिवार : निजी आयकर , वस्तुओं पर कर का भुगतान

सरकार : घरेलू क्षेत्र को हस्तांतरण भुगतान

(वृद्धावस्था पेंशन, बेरोजगारी भत्ता, बीमारी भत्ता आदि सामाजिक सेवाओं (स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी, आवास, सड़कों आदि

2.व्यवसाय फर्म एवं सरकारी क्षेत्र

फर्म : सरकार को करो के रूप में भुगतान

सरकार : वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन को प्रोत्साहन देने हे अनुदान (Subsidies)

3.परिवार, फर्म एवं सरकारी क्षेत्र में एक साथ चक्रीय प्रवाह

कर : चक्रीय प्रवाह में निकास (Outflow)

घरेलू क्षेत्र के उपभोग एवं बचत में कमी

फर्म : निवेश एवं उत्पादन में कमी

सरकार : फर्मों से वस्तुओं एवं सेवाओं का क्रय करके तथा

घरेलू क्षेत्र से सेवाओं का क्रय करके निकासी से हुई क्षति की ?

फर्मों की कुल बिक्री = उत्पादन

सरकार : फर्मों एवं परिवारों से कर लेती हैं ।

सरकार द्वारा निवेश में वृद्धि

- सरकारी व्यय > कर

*सरकार को घाटा

*घाटे की पूर्ति के लिए पूंजी बाजार से ऋण

*पूंजी बाजार में यह राशि परिवार (घरेलू) क्षेत्र द्वारा बचत के रूप में उपलब्ध कराई जाती हैं ।

- सरकारी व्यय < कर

* आधिक्य का बजट

* सार्वजनिक ऋण में कमी

* अतिरिक्त राशि पूंजी बाजार में उपलब्ध कराते हैं जो व्यावसायिक फर्म को प्राप्त होती हैं।

सरकार : फर्मों से वस्तुओं एवं सेवाओं का क्रय करके तथा

घरेलू क्षेत्र से सेवाओं का क्रय करके निकासी से हुई क्षति की प

फर्मों की कुल बिक्री = उत्पादन

सरकार : फर्मों एवं परिवारों से कर लेती हैं ।

सरकार द्वारा निवेश में वृद्धि

- सरकारी व्यय > कर

*सरकार को घाटा

*घाटे की पूर्ति के लिए पूंजी बाजार से ऋण

*पूंजी बाजार में यह राशि परिवार (घरेलू) क्षेत्र द्वारा बचत के रूप में उपलब्ध कराई जाती हैं ।

- सरकारी व्यय < कर

* आधिक्य का बजट

* सार्वजनिक ऋण में कमी

* अतिरिक्त राशि पूंजी बाजार में उपलब्ध कराते हैं जो व्यावसायिक फर्म को प्राप्त होती हैं।

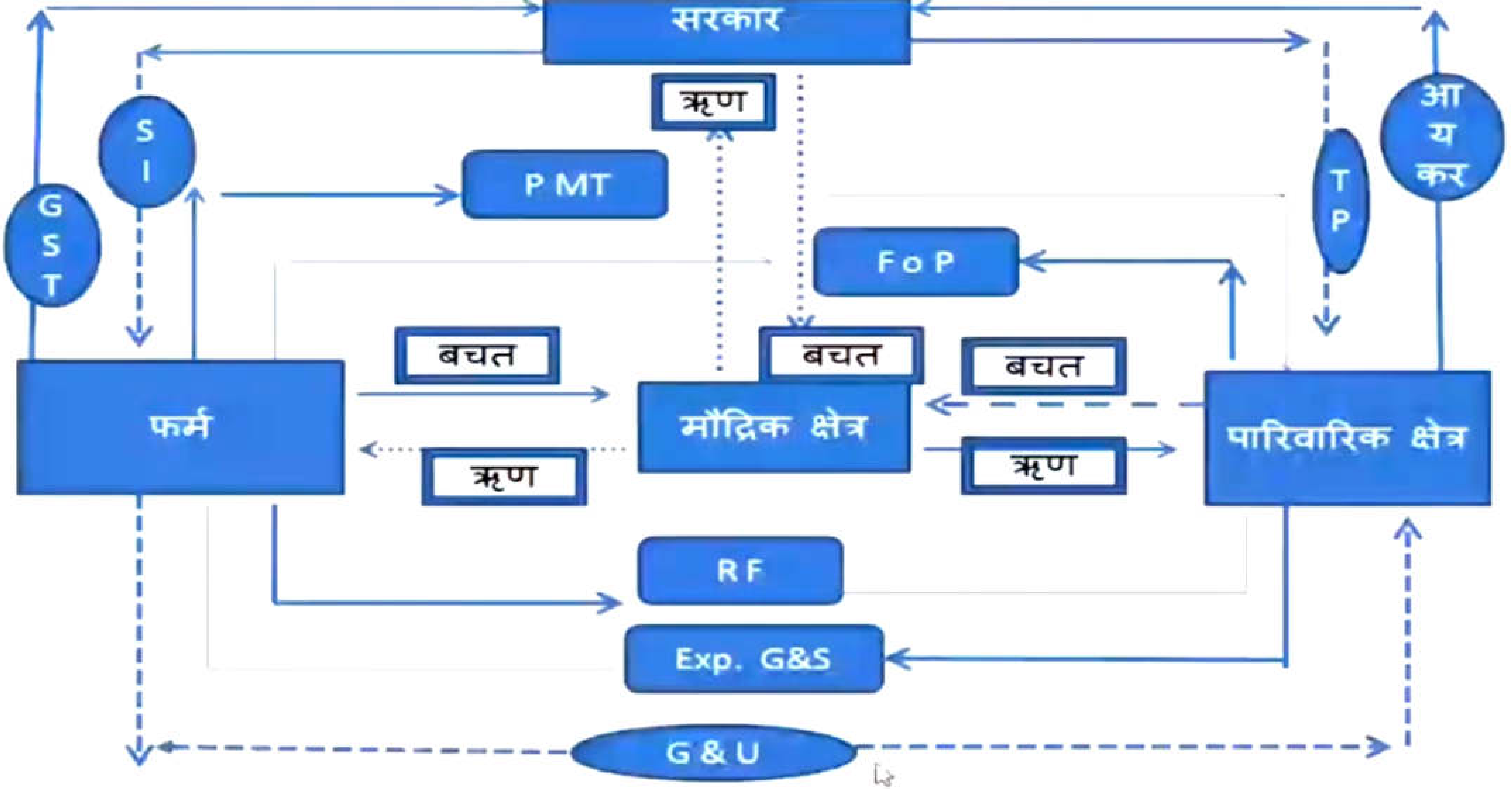

सरकार
ऋण
S I
P MT
G S T
आ य कर
T P
F o P
बचत
बचत
बचत
फर्म
मौद्रिक क्षेत्र
पारिवारिक क्षेत्र
ऋण
ऋण
R F
Exp. G&S
G & U

5
GOVT. JOBS
2020

BANK

Capital Market

Capital Market is a place where buyers and sellers can interact and transact financial securities like shares, debentures, debt instruments, bonds, derivative instruments like the futures, options, swaps, ETFs.

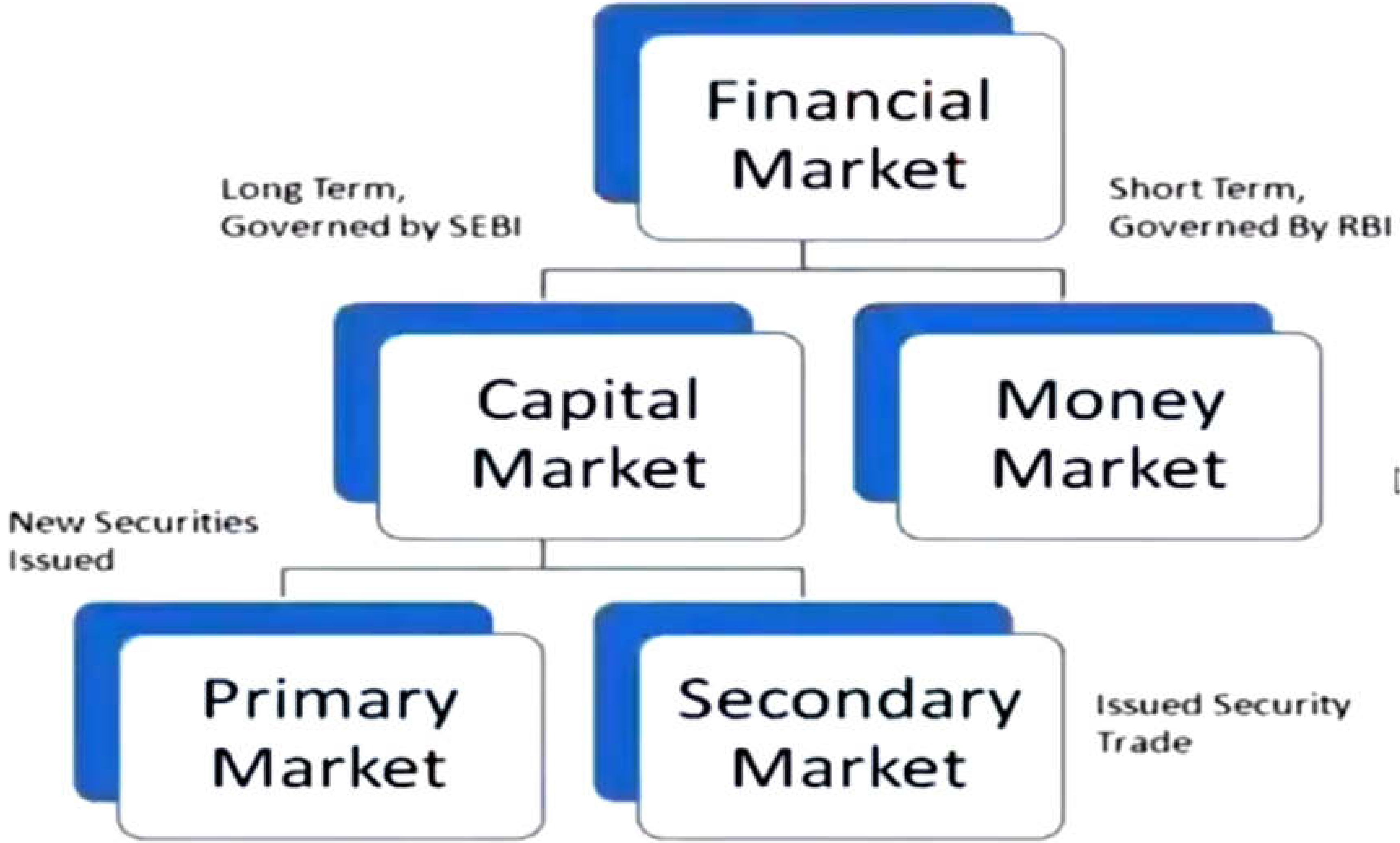
Financial Market
Long Term, Governed by SEBI
Short Term, Governed By RBI
Capital Market
Money Market
New Securities Issued
Primary Market
Secondary Market
Issued Security Trade

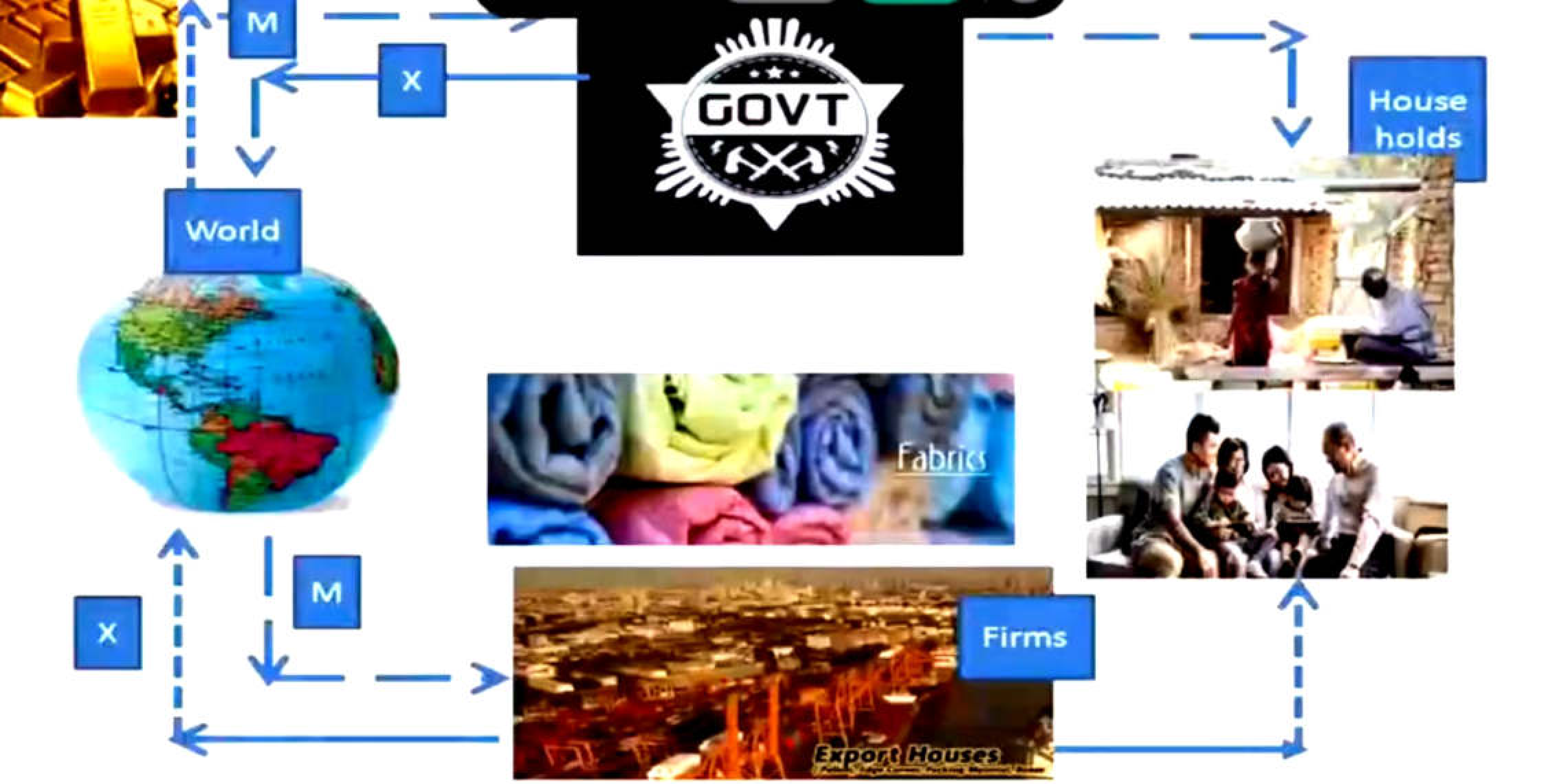
M
X
GOVT
House holds
World
Fabrics
M
X
Firms
Export Houses